सच लिखना अगर बगावत है

सर्व धर्म शक्ति

तो समझो हम भी बागी है।।

मुजफ्फरनगर व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

हे राम, वाहे गुरु या अल्लाह, हे यीशू!

सेवा ही संकल्प हमारा

एकता ही प्रतीक हमारा

सम्पादक : जी.के. शर्मा

फोन :-7668376851 :-9759551311

email : sarvdharmshakti@gmail.com sdsimediacenter2009@gmail.com

प्रबंध संपादक : आदेश शर्मा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष : 22 अंक : 29 रविवार, 28 जुलाई से 03 अगस्त 2024 मूल्य : 2 रुपया प्रति

संक्षिप्त समाचार

- 2047 में विकसित भारत हर भारतीय की महत्वाकांक्षा, नीति आयोग की बैठक में बोले पीएम मोदी
- मिनरल टैक्स पर 9 जजों की बेंच ने कौन सा ऐतिहासिक फैसला दिया, कैसे मालामाल हो सकते हैं ये राज्य!
- कंगना रनौत ने लोकसभा में कांग्रेस को खूब सुनाया, बोलीं- पिछले 10 साल में जितना विकास हुआ है, 60 साल में नहीं हुआ
- अग्निवीरों को उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों में मिलेगा आरक्षण, शहीदों के परिजनों को 10 की जगह मिलेंगे 50 लाख
- 600 साल पुरानी असम की धरोहर ने पाई यूनेस्को की हेरीटेज लिस्ट में जगह, पीएम मोदी ने दिया ये रिएक्शन
- अग्निवीरों को लेकर योगी सरकार का बड़ा फैसला, उप्र पुलिस और पीएसी में मिलेगा आरक्षण
- आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने वाली सरकार को कोर्ट की फटकार, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पूछा-आरएसएस को बैन लिस्ट से हटाने में सरकार को पांच दशक क्यों लग गये?
- अरविन्द केजरीवाल पर वीरेंद्र सचदेवा ने साधा निशाना, कहा जमानत के लिए मधुमेह अभियान रहा असफल
- भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने साधा दिल्ली सरकार पर निशाना, कहा-आप चला रही है भ्रष्टाचार की दुकान, शिक्षा-स्वास्थ्य पर नौटंकी करने पर है माहिर
- ममता बनर्जी के समर्थन में उतरे एमके स्टालिन, पूछा- क्या उन्हें को रोकना सहकारी संघवाद है?
- सांसदों पर जमकर बरसे जगदीप धनखड़, हिट-एंड-रन स्ट्रैटर्जी को लेकर की आलोचना
- नश्चन-बायोलश्जिकल पीएम के लिए ढोल पीटने वाले तंत्र के रूप में काम करता है नीति आयोग, जयराम रमेश का बड़ा हमला
- संविधान हत्या दिवस के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका, अदालत ने कहा-नोटिफिकेशन संविधान का अपमान नहीं
- अनंतनाग में कार के चट्टान से नीचे गिरने से एक ही परिवार के 5 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत
- मटन बताकर बेचा जा रहा कुत्ते का मीट? आरोपों से मचा हड़कंप, जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच के लिए भेजा सैंपल
- राजस्थान सरकार देगी अग्निवीरों के लिए आरक्षण! जेल और वन रक्षकों, राज्य पुलिस की भर्ती में दी जाएगी प्राथमिकता
- राहुल गांधी तो खटाखट पैसे नहीं दे पाए, हेमंत सोरेन के झारखंड में 45 लाख महिलाओं के खाते में 1000 रुपये फटाफट
- सभी मंजूरी के बाद की गई माझी लड़की बहिन योजना की घोषणा, डिप्टी सीएम पवार ने कहा- महाराष्ट्र जैसे समृ) राज्य के लिए खर्च...
- एस-400 मिसाईल सिस्टम : भारतीय वायुसेना के अभ्यास में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने लगभग पूरे दुश्मन को मार गिराया
- बिहार विधानसभा में कोटा मुद्दे पर जोरदार हंगामा, विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन किया
- योगी सरकार बनीं किसानों की संकटमोचक, अनुदान में मिल रहे हैं बीज
- मोदी की चेतावनी से भड़के पाकिस्तान ने हमला करने के लिए भेज दी अपनी बॉर्डर एक्शन टीम, भारतीय सेना ने दिया तगड़ा जवाब
- अगर इरादे साफ हैं तो ओबीसी आरक्षण बिल पास करें, मोदी सरकार को आप सांसद संजय सिंह की चुनौती
- माइक बंद पर राजनीति चालू, निर्मला सीतारमण बोलीं- ममता बनर्जी का दावा पूरी तरह से झूठ

गंगाजल लेकर गंतव्य की ओर बढ़ रहा शिवभक्तों का सैलाब, सुरक्षा में एटीएस के कमांडो भी तैनात

मुजफ्फरनगर। कांवड़ यात्रा मार्ग पर नेम प्लेट के विवाद के साथ ही इस बार कांवड़ियों का उग्र रूप लगातार नजर आने के बीच अब सावन माह की कांवड़ यात्रा को आतंकवादी हमलों की आशंकाओं से बचाने के लिए आतंकवादी निरोधक दस्ता यहां भेजा गया है। शनिवार को डीएम अरविन्द मल्लप्पा बंगारी और एसएसपी अभिषेक सिंह ने शिव शंकर की भक्ति के लिए कांवड़ियों के रूप में गंगाजल के साथ बह रही भक्ति की गंगोत्री की अविरल धारा में हो रही भोले बाबा की जय जयकार के बीच शिव चौक और इससे जुड़े एरिया की सुरक्षा पूरी तरह से एटीएम स्पॉट कमांडो दल को सौंप दी है। एसएसपी ने एटीएस के कामांडो को शिव चौक पर ब्रीफ किया और फिर डीएम व एसएसपी ने कमांडों को साथ लेकर शिव चौक के आसपास फ्लैग मार्च किया। इसके साथ ही कमांडों को शिव मूर्ति के आसपास पूरी मुस्तैदी से तैनात कर दिया गया। यहां एटीएस स्पॉट कमांडो दल की एक बख्तर बंद गाड़ी स्नाइपर के साथ लगाई गई है। खास बात यह है कि एटीएस के इस दल में महिला कमांडो भी शामिल हैं। कांवड़ यात्रा 2024 कई मायनों में ऐतिहासिक होती जा रही है। पहले यहां पर कांवड़ मार्ग के होटल और ढाबों पर अपने नामों का उल्लेखित करते हुए बोर्ड लगाये जाने के एसएसपी अभिषेक सिंह के आदेश ने देश और दुनिया में हलचल पैदा की और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। दूसरा उत्तराखंड से यूपी के कई जिलों में कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों का उग्र रूप कई घटनाओं को जन्म दे चुका है। इससे प्रशासन और पुलिस की सिरदर्दी तथा चुनौती बढ़ी है। ऐसे में अब पहली बार कांवड़ यात्रा के इतिहास में मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर सरकार द्वारा एटीएस कमांडो तैनात किये गये हैं। शनिवार को लखनऊ एटीएस मुख्यालय से एटीएस का स्पेशल पुलिस ऑपरेशन दल कांवड़ यात्रा में सुरक्षा के लिए यहां भेजा गया। एटीएस स्पॉट के कमांडेंट ने अपनी टीम के साथ एसएसपी अभिषेक सिंह से मिलकर आमद दर्ज कराई। इसके बाद इन एटीएस कमांडों को बख्तर बंद गाड़ी, स्नाइपर के साथ शिव चौक पर तैनात किया गया। यहां पर एसएसपी अभिषेक सिंह ने कमांडो को ब्रीफकरते हुए कांवड़ यात्रा में शिव चौक और आसपास के क्षेत्र की जिम्मेदारी उनको सौंपने का काम किया। शिव चौक पर बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष के साथ शिवभक्त कांवड़ियों का रैला अब कौतूहल पैदा कर रहा है। यहां पर भगवान शिव की भक्ति और सनातन में आस्था का संगम भी कांवड़ियों के रूप में बहती केसरिया धारा बनाती नजर आ रही है। इसी जय जयकार के बीच पहली बार कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए एटीएस कमांडो को तैनात किया गया है। एटीएस कमांडो दल को शिव चौक पर सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वैसे कांवड़ यात्रा के दौरान छोटी-छोटी बातों को लेकर हो रही मारपीट और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद से ही इंटेलिजेंस की टीम भी अलर्ट मोड पर नजर आने लगी थी। डाग स्क्वाड के साथ इंटेलिजेंस की टीम कांवड़ मार्ग पर निगरानी कर रही है। उत्तराखंड बार्डर से लेकर शामली, मेरठ बिजनौर की सीमा तक अभियान भी चलाया गया। पुलिस प्रशासन सतर्क है। साथ ही शासन स्तर से भी यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पूरी गंभीरता बरती जा रही है। इसी उद्देश्य से मुजफ्फरनगर में एटीएस मुख्यालय लखनऊ से एटीएस की स्पेशल पुलिस ऑपरेशन टीम यहां पर भेजी गई है। शनिवार की सुबह लखनऊ से पहुंची एटीएस की टीम ने शिव चौक पर डेरा डाला। यहां एसएसपी अभिषेक सिंह ने टीम में शामिल जवानों को कांवड़ यात्रा रूट के संबंध में जानकारी दी और पूरी मुस्तैदी से निगरानी का निर्देश दिया। इसके बाद डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने भी यहां पहुंचकर एटीएस दल के कमांडो का स्वागत किया, फिर डीएम और एसएसपी ने इन कमांडो के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान सीडीओ संदीप भागिया, एडीएम प्रशासन नरेन्द्र बहादुर सिंह, एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, सीओ सिटी व्योम बिन्दल, खालापार कोतवाली प्रभारी महावीर सिंह चौहान, सिविल लाइन इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिंह और शहर कोतवाल अक्षय शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बता दें कि हरिद्वार

.....शेष पृष्ठ तीन पर

जम्मू आधार शिविर से गुफा मंदिर के लिए तीन हजार तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू से बृहस्पतिवार को तीन हजार से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अब तक 4.25 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या साढ़े चार लाख से अधिक थी। भगवती नगर आधार शिविर से 106 वाहनों में 3,089 तीर्थयात्रियों का 28वां जत्था केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संरक्षण में तड़के 3:23 बजे रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 1,803 तीर्थयात्रियों ने पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग को जबकि 1,286 ने छोटे लेकिन दुर्गम 14 किलोमीटर बालटाल मार्ग को चुना है। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 28 जून को जम्मू से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया था जिसके बाद से अब तक कुल 3,11,493 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से तीर्थयात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

कारगिल विजय दिवस पर बलिदानियों को किया नमन

मुजफ्फरनगर। कारगिल विजय दिवस पर शुकतीर्थ में अमर बलिदानियों को साधु सन्तो, पूर्व सैनिकों, जनप्रतिनिधियों व गन्मामन्य व्यक्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया गया।व शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेने पर बल दिया गया। शुकतीर्थ में स्थित कारगिल बलिदानी स्मारक पर शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य पूर्ण सम्मान के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये।शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज के सानिध्य में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.वीरपाल निर्वाल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ शुकतीर्थ में कारगिल स्मारक पहुंचे।पूर्व सैनिक संस्था के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कथा व्यास अचल कृष्ण शास्त्री ने मंत्रोच्चार किया और स्वामी ओमानन्द महाराज एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डा वीरपाल निर्वाल ने अमर बलिदानियों को स्मरण करते हुए पुष्प चक्र अर्पित किया।उपस्थित लोगों ने भारत माता की जय और अमर बलिदानी अमर रहें के नारों का उद्घोष किया। स्वामी ओमानंद महाराज ने अमर बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धा और भाव रखने का संकल्प लेने को कहा। डॉ.निर्वाल ने कहा कि देश के सैनिकों ने सीमाओं के रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है वह अविस्मरणीय रहेगा।इस अवसर पर स्वामी ओमानन्द ने प्रसाद वितरण किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में अमित राठी क्षेत्रीय मंत्री किसान मोर्चा, रामकुमार शर्मा जिला संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, सतनाम सिंह मंडल अध्यक्ष, डॉ. वीरपाल, सहरावत मंडल अध्यक्ष, अरुण पाल, योगेश कुमार, कुणाल वालिया, महामंत्री गण, समाज सेवी विनोद शर्मा, ब्रजवीर सिंह किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, महेंद्र सिंह चौहान, पंडित संजू शर्मा, अजय कृष्ण शास्त्री, अनुज गोयल, पंकज माहेश्वरी, रविंद्र चौधरी, प्रदीप निर्वालतरुण प्रधान, रविंद्र वाल्मीकि, रवि आर्य, मांगेराम, विपुल, अमित, कंवर पाल सैनी, बिन्नू राठी, वीरेंद्र चौहान, महिपाल राठी, चंदवीर सिंह, अशोक चौहान, पीतम चौहान आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड तक में सक्रिय है बांग्लादेशी, रोहिंग्यों को बसाने वाला गैंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गैर भाजपा दलों की तुष्टिकरण की सियासत के चलते बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। काफी बड़ी संख्या में अराजक तत्व संगठित अपराध की तरह घुसपैठियों के फर्जी आधार और अन्य जरूरी कागजात तैयार करने का धंधा चला रहे हैं, जिसके बदले में इनको मोटी रकम तो मिलती ही है, इसके अलावा कट्टरपंथी गजवा ए हिन्द का सपना भी देखते हैं। प्रदेश में साल दर साल मुस्लिम घुसपैठियों की तादाद बढ़ती जा रही है। पांच वर्ष पूर्व पुलिस ने प्रदेश में अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को चिन्हित करने के लिए सर्वे किया था। तब पुलिस ने अनुमान जताया था कि प्रदेश में 10 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी और करीब 3 हजार रोहिंग्या नागरिक अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया था कि केवल लखनऊ में ही करीब एक लाख बांग्लादेशी नागरिकों ने अपना ठिकाना बना लिया है। लखनऊ के फैजाबाद रोड स्थित अकबरनगर जैसे कई इलाकों इनका जमावाड़ा देखा जा सकता है। यह इलाके पुलिस की जांच में दायरे में भी हैं। हालांकि सर्वे के बाद ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। अधिकतर मामलों में पाया गया कि स्थानीय नेताओं ने ही उनके भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र जैसे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड बनवाने में मदद की थी। इनमें से अधिकतर ने असम के निवासी होने का दावा किया था, जिसकी पड़ताल के लिए पुलिस की टीमें भेजी गई थीं। लखनऊ की तरह ही मुरादाबाद, रामपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, बरेली जैसे जिलों सहित उत्तराखंड तक भी इन घुसपैठियों की बड़ी तादात पहुंच चुकी हैं, सबके जन्म प्रमाण पत्र से लेकर आधार कार्ड आदि तक बना दिये गये हैं। ऐसा नहीं है कि यह सब बातें किसी से छिपी हुई हैं, लेकिन तमाम स्वयंसेवी संगठनों के विरोध के बाद भी यह मामला ठंडे बस्ते से बाहर नहीं निकल पाता है। बीते वर्ष एडीजी कानून-व्यवस्था रहे प्रशांत कुमार के निर्देश पर रोहिंग्या नागरिकों की धरपकड़ के लिए कई जिलों में अभियान भी चलाया गया था। रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्र बनने के मामले का खुलासा होने के बाद पूरे प्रदेश में इसकी जांच के आदेश दिए गये हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो सभी जिलों के डीएम को जन्म प्रमाण पत्रों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। वहीं डीजीपी मुख्यालय की ओर से पुलिस को भी जांच में सहयोग करने का आदेश दिया गया है। प्रमाण पत्र बनवाने में पीएफआई के सदस्यों की भूमिका की जांच का जिम्मा एटीएस को सौंपा गया है। बता दें कि रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्र बनने का बड़ा मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। केरल निवासी पीएफआई के एक सदस्य और कर्नाटक निवासी युवक का जन्म प्रमाण पत्र बनने के मामले की जांच करने दोनों राज्यों की पुलिस रायबरेली पहुंची थी। इसके बाद स्थानीय भाजपा विधायक अशोक कुमार कोरी की शिकायत पर सीडीओं ने जांच कराई तो 20 हजार फर्जी प्रमाणपत्र बनने का खुलासा हुआ। इसके बाद मुकदमा भी दर्ज कराया गया। मामले की जड़े केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र से जुड़ने के बाद एटीएस को जांच करने के लिए कहा गया है। सूत्रों की माने तो फर्जीवाड़ा प्रदेश के कई जिलों में चल रहा है। पीएफआई के अलावा कई एनजीओं के भी इसमें शामिल होने की आशंका है। फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने के बाद घुसपैठियों को दूसरे राज्यों में भेज दिया जाता है। बीते वर्ष जुलाई में एटीएस ने अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की धरपकड़ का अभियान भी चलाया गया था इसमें 74 रोहिंग्या नागरिक पकड़े गए थे। पुलिस व प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार रायबरेली में सर्वाधिक अल्पसंख्यकों के ही फर्जी प्रमाण पत्र बनाए गए हैं। इनमें 2023 में मुंबई में पकड़े गए चार बांग्लादेशियों के नाम भी शामिल हैं।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया कांवड़ सेवा शिविरों का उद्घाटन

मुजफ्फरनगर। प्रत्येक वर्ष सावन माह में कावड़ यात्रा पर्व पर हरिद्वार से अमृतमयी माँ गंगा के चरणों से जलभरकर आने वाले लाखो शिवभक्त शिवमय हुए मुजफ्फरनगर से होकर गुजरते हैं। इसी क्रम में नगर विधायक और प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने क्षेत्र के विभिन्न कांवड़ सेवा शिविरों का उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री कपिल देव ने कहा कि अतिथि देवो भवरू परम्परा के सर्वोत्तम उदाहरण के रूप में शहर मुजफ्फरनगर में हजारों श्रद्धालुओं ने शिवभक्तो के लिए विभिन्न प्रकार के शिविरों का आयोजन किया हैं। उन्होंने शहर में चारों ओर लगे विभिन्न शिवरों का फीता काटकर उद्घघाटन किया तथा व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर शिवभक्तों की सेवा की। मंत्री कपिल देव ने शिविर संचालकों से आसपास सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने का आह्वान किया। इसके बाद उन्होंने पुरकाजी में आयोजित नि:शुल्क कावड़ सेवा शिविर का उद्घाटन कर शिवभक्तों की सेवा में हाथ बंटाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल, भाजपा मण्डल महामंत्री हरिराम सैक्सेना, खुल्लर जी, वीरेंदर, डॉ0 गौतम, वारिष्ठ भाजपा नेता डॉ0 देशबंधु तोमर, ब्रह्मप्रकाश शर्मा, अनूप, भाजपा नेतागण व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिनरल टैक्स पर 9 जजों की बेंच ने कौन सा ऐतिहासिक फैसला दिया, कैसे मालामाल हो सकते हैं ये राज्य!

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने इतिहास रच दिया है। खनिज टैक्स यानी मिनिरल टैक्स को लेकर चल रहे राज्य और केंद्र सरकार के मतभेद वाले केस में अपना ऐतिहासिक फैसला सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मिनरल टैक्स पर सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई में 9 जजों की बेंच में पहले मैराथन सुनवाई चली थी। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट की इस बेंच ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट में ये ऐतिहासिक केस तो चल ही रहा था। इसमें फैसला भी ऐतिहासिक ही हुआ है क्योंकि मामले में बेंच ने 8 के अनुपात में 1 के बहुमत से अपना फैसला सुनाया है। यानी की मिनरल टैक्स को लेकर इस फैसले में आठ जजों की राय एक रही। बस एक जज जस्टिस बीवी नागरत्ना का मत फैसले से असहमत रहा। चीफजस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि खनिज अधिकारों पर कर लगाने की विधायी शक्ति राज्यों में निहित है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है। पीठ ने कहा कि संसद के पास संविधान की सूची एक की प्रविष्टि 54 के तहत खनिज संपदा अधिकारों पर कर लगाने की विधायी शक्ति नहीं है। इस फैसले में कहा गया कि हालांकि संसद अभी भी खनिज संपदा पर कर लगाने के राज्यों के अधिकारों की सीमा निर्धारित करने के लिए कानून बना सकती है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने अपने और पीठ के सात न्यायाधीशों के फैसले को पढ़ा जिसमें कहा गया कि संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के अंतर्गत संसद को खनिज संपदा अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति नहीं है। शुरू में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिए हैं और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने असहमति वाला फैसला दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने असहमतिपूर्ण फैसले में कहा कि यदि खनिज संसाधनों पर कर लगाने का अधिकार राज्यों को दे दिया गया तो इससे संघीय व्यवस्था चरमरा जाएगी क्योंकि वे आपस में प्रतिस्पर्धा करेंगे और खनिज विकास खतरे में पड़ जाएगा। जस्टिस नागरत्ना ने 193 पृष्ठ के अपने फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी कर की प्रकृति की है, न कि यह केवल एक संविदात्मक भुगतान है। उन्होंने कहा कि यदि रॉयल्टी को कर नहीं माना जाता है और इसे खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल किया जाता है, तो इसका अर्थ यह होगा कि प्रविष्टि 54-सूची एक और एमएमडीआर अधिनियम, 1957 की धारा 2 में की गई घोषणा के बावजूद, राज्यों द्वारा खनन पट्टा धारक पर रॉयल्टी के भुगतान के अतिरिक्त खनिज अधिकारों पर कर लगाया जा सकता है। सबसे बड़ा सवाल है कि विभिन्न राज्य सरकारें जब अपने इस अधिकार का इस्तेमाल करने लगेंगी, तब उसका असर व्यवहार में किस तरह से सामने आएगा। इसका ठीक-ठीक अंदाजा तभी होगा, जब राज्य सरकारों के फैसले सामने आएंगे और लागू होने लगेंगे। फिर भी इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि विभिन्न राज्य अपनी जरूरतों के मुताबिक जो अतिरिक्त टैक्स लगाएंगे उससे तमाम खनिज पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी और इसका सीधा असर उन सभी उत्पादों की लागत पर पड़ेगा, जिनके उत्पादन में ये खनिज पदार्थ कच्चा माल के रूप में इस्तेमाल होते हैं।

सर्व धर्म शक्ति

सम्पादकीय

संविधान नहीं विपक्ष का मुस्लिम वोट बैंक खतरे में

इंडिया गठबंधन के विपक्षी दल केंद्र की भाजपा सरकार पर संविधान को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं। मोदी सरकार ने इसके जवाब में विपक्ष पर सीधे हमला बोलते हुए 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपात्तकाल के दिन 25 जून को हर साल संविधान हत्या दिवस के रूप में सरकारी स्तर पर मनाने का फैसला कर दिया। दरअसल विपक्ष जिसे संविधान खत्म करने की साजिश बता रहा है, वह दरअसल मुस्लिम वोट बैंक को एकजुट रखने की कवायद है। तीसरी बार सत्ता में आई मोदी सरकार ने अभी तक एक भी ऐसा काम नहीं किया है, जिससे लगता हो कि सरकार के इरादे संविधान को खत्म करने के हैं। इस संबंध में विपक्ष जो आरोप लगा रहा है, वह दरअसल संविधान खतरे में नहीं बल्कि उनका मुस्लिम वोट बैंक खतरे में पड़ गया है। विपक्ष इसे सीधे स्वीकार नहीं करके संविधान खात्मे की संज्ञा दे रहा है। केंद्र सरकार ने जब-जब देश के मुस्लिमों की भलाई के लिए निर्णय लिया और कानून बनाया तब-तब विपक्षी दलों ने कठमुल्लओं की भाषा बोलते हुए इसका विरोध किया है। मुस्लिम सुधारों के इस प्रयास को ही गैर भाजपा विपक्ष संविधान को खत्म करने की साजिश करार दे रहा है, हिन्दू वोट बैंक के भय से इस पर खुल कर बोलने से बच रहा है। यही वजह है कि भाजपा गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भी विपक्ष एक भी उदाहरण ऐसा नहीं दे सका जिससे लगे कि देश का संविधान या आम लोगों को अधिकार खतरे में हैं। इसके विपरीत केंद्र सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को अधिक और कानूनी बराबरी के अधिकार सम्पन्न बनाने का ही काम किया है। यह विपक्षी दलों को रास नहीं आ रहा है। 17 वीं लोकसभा के दौरान मणिपुर हिंसा के मामले में प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने संसद नहीं चलने दी। संसद की कार्रवाई लगातार बाधित करने के कारण तत्कालीन 140 विपक्षी सांसदों की सदस्यस्ता निलंबित की गई। विपक्ष ने इस घटना पर भी संविधान के खात्मे की दलील दी। इसके विपरीत हाल ही में तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया, इस पर इंडिया गठबंधन के दल मौन साधे रहे। केंद्र सरकार ने मुस्लिमों और देश की एकता-अखंडता को लेकर किए गए सकारात्मक प्रयासों को विपक्षी दलों ने अल्पसंख्यक वोट बैंक के नजरिए से देखा है। तीन तलाक को गैरकानूनी बनाने के लिए मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2019 के पक्ष में सबसे ज्यादा वोटिंग के साथ पारित होने पर कांग्रेस ने विरोध स्वरूप वॉकआउट किया। इससे पहले जनता दल (यूनाइटेड) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने भी तत्काल तलाक को अपराध बनाने वाले बिल के विरोध में वॉकआउट किया था। इस कानून को बनाने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। कांग्रेस गठबंधन के कई दलों ने एक कदम आगे बढ़ कर केंद्र में सत्ता में आने पर तीन तलाक को प्रतिबंध करने के कानून को खत्म करने का वादा किया था। इससे साफजाहिर है कि विपक्षी दलों की मंशा मुस्लिम महिलाओं को पाषाण युग जैसा जीवन जीने के लिए अभिशप्त करने की रही। गौरतलब है कि शाहबानों वाले मामले में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने मुस्लिम वोट बैंक बनाए रखने के लिए कानून में संशोधन करके इस आदेश को रद्द कर दिया था। इसी तरह केंद्र सरकार ने जब जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाला अनुच्छेद की धारा 370 हटाने का निर्णय लिया, तब भी विपक्षी दलों को मुस्लिम वोट दरकता नजर आया। विपक्षी दलों ने देश की एकता-अखंडता को मजूबत करने और जम्मू-कश्मीर को तरक्की के रास्त पर ले जाने वाले इस कानून का भरसक विरोध किया। यह बात दीगर है कि इस कानून के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास के मामले में बुलंदी छू रहा है। धारा 370 हटने से पहले देश से कटा यह राज्य अब विकास की मुख्य धारा से जुड़ चुका है। कश्मीर में पत्थरबाजी की घटनाओं पर पूरी तरह से विराम लग चुका है। विदेशी निवेश के साथ पर्यटन तेजी बढ़ रहा है। केंद्र ने एम्स बनाने की घोषणा की है। मुस्लिम महिला को गुजारा भत्ता देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले पर भी विपक्षी दलों को मानों सांप सूंघ गया हो। इस निर्णय के मुताबिक कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारे भत्ता मिले की हकदार है। इस वजह से वह गुजारे भत्ते के लिए याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने एक प्रस्ताव पास करके विरोध किया। बोर्ड ने इस फैसले को इस्लामिक कानून (शरीयत) के खिलाफबताया। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के सम्मान और अधिकार से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करना तो दूर बल्कि विपक्षी दलों ने चुप्पी साध ली, कहीं समर्थन करने से कठमुल्ले मुस्लिमों को उनके खिलाफ भड़का कर वोट बैंक का नुकसान नहीं कर दें। मुस्लिमों के लिए किए गए इन तमाम सुधारों के प्रयास विपक्षी नेताओं को खटकते रहे हैं। विपक्ष ने इन प्रयासों के विरोध को ही संविधान के खात्मे का प्रयास माना है, किन्तु खुल कर ऐसा कहने से कतराते रहे हैं। कांग्रेस के शासन के दौरान देश भर में आतंकी बम धमाके करते रहे, तब विपक्षी दलों को संविधान खतरे में नजर नहीं आया। कारण साफथा ज्यादातर धमाकों से जुड़े आरोपी मुस्लिम थे, इनकों विपक्षी दल किसी भी सूरत में नाराज नहीं करना चाहते। इतना ही नहीं मौके-बेमौके पर विपक्षी दलों ने माफिया डॉन को महज इस कारण समर्थन किया कि वे मुस्लिम हैं। उन्हें टिकट देकर विधायक-मंत्री तक बनाया। उत्तर प्रदेश और बिहार के माफिया इसका उदाहरण हैं। माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की मौत पर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी ने आंसू बहाए थे। इससे ही साबित होता है कि मुस्लिम वोट बैंक के लिए विपक्षी नेता देश के कानून-संविधान से किस हद तक खिलवाड़ करने वालों का साथ दे सकते हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ की देखकर चाल, पूरी भाजपा हैरान, विपक्ष ने भी दाँतों तले उंगली दबाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस राजनीतिक सक्रियता से काम कर रहे हैं उसको देखकर उत्तर प्रदेश भाजपा ही नहीं बल्कि पार्टी के केंद्रीय नेता भी हैरान हैं। हम आपको बता दें कि हाल ही में मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल के कुछ साथियों के साथ बैठक कर उन्हें इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उसके बाद से मुख्यमंत्री रोजाना इन मंत्रियों के साथ संवाद कर उपचुनाव वाली सीटों की जमीनी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। दरअसल हाल के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में भाजपा को जो नुकसान उठाना पड़ा उसके चलते मोदी सरकार स्पष्ट बहुमत से पीछे रह गयी और राज्य में योगी आदित्यनाथ की विजेता वाली छवि भी प्रभावित हुई। इसके अलावा, योगी को इस बात की भी चिंता है कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने अन्य राज्यों में उनकी छवि को भी प्रभावित किया है। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को देखते हुए अन्य राज्यों की जनता अक्सर योगी जैसे मुख्यमंत्री की मांग करती है। योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर नीति का अनुसरण कई राज्यों के मुख्यमंत्री कर रहे हैं। योगी जब भी किसी अन्य राज्य में जाते हैं तो उनका अक्सर बुलडोजरों से स्वागत किया जाता है। लेकिन लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा को जो नुकसान उठाना पड़ा है इस सबसे स्वयं योगी की छवि भी प्रभावित हुई है। इसलिए मुख्यमंत्री एकदम एक्शन में आ गये हैं और हर हालत में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को जीतना चाहते हैं। योगी की आतुरता इस मायने में भी अनोखी है कि चुनावों की तैयारी उन्होंने अपनी पार्टी से पहले ही शुरू कर दी। योगी ने जब अपने मंत्रियों के बीच उपचुनाव वाली सीटों की जिम्मेदारी बांटी तो उसके बाद भाजपा की प्रदेश इकाई ने भी बैठक कर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय कर दीं ताकि चुनावों में जीत हासिल हो सके। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर प्रदेश भर के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से यह भी पूछा गया है कि पार्टी के खराब प्रदर्शन के कारण क्या थे? बताया जा रहा है कि अब तक मिले 50000 सुझावों के आधार पर एक रिपोर्ट बना कर मुख्यमंत्री को दी गयी है जिसके बाद योगी फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक युवाओं के बीच नाराजगी का एक बड़ा कारण था इसलिए उपचुनावों की घोषणा से पहले ही पुलिस भर्ती परीक्षा की नई तारीख घोषित कर दी गयी है। बताया जा रहा है कि उपचुनावों की तारीखें सामने आने से पहले कई और बड़ी घोषणाएं की जाएंगी जिससे माहौल पूरी तरह बदल सकता है। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को इस सप्ताह दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक भी होनी है जिसमें प्रदेश में भाजपा को फिर से मजबूत करने का रोडमैप प्रस्तुत किया जायेगा। जहां तक 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की बात है तो आपको बता दें कि इसमें से तीन भाजपा के पास थीं जबकि पांच समाजवादी पार्टी के पास और एक-एक सीट एनडीए के सहयोगी दलों- राष्ट्रीय लोक दल और निषाद पार्टी के पास थी। बहरहाल, भाजपा का प्रयास है कि लोकसभा चुनावों में बड़ी ताकत बन कर उभरे अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी से पांचों सीटें उपचुनाव में छीन ली जायें। देखना होगा कि योगी अपने इस मिशन में कितना सफल हो पाते हैं क्योंकि अब मसला सिर्फ भाजपा या एनडीए की जीत का नहीं बल्कि योगी की प्रतिष्ठा का भी बन गया है।

सावन में करें शिव आराधना, दूर होंगे सारे कष्ट

❑ **सावन सोमवार की तिथियां : 22 जुलाई सोमवार**- श्रावण पहला सोमवार, **29 जुलाई सोमवार**- श्रावण दूसरा सोमवार, **05 अगस्त सोमवार**- श्रावण तीसरा सोमवार, **12 अगस्त सोमवार**- श्रावण चौथा सोमवार, **19 अगस्त सोमवार** - श्रावण पांचवा सोमवार

हजारों सालों से विज्ञान शिव के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है। जब भौतिकता का मोह खत्म हो जाए और ऐसी स्थिति आए कि ज्ञानेंद्रियां भी बेकाम

आचार्य सूर्यांश भारतीय
प्रभारी दिल्ली
उ0प्र0 सर्व धर्म शक्ति संगठन

हो जाएं, उस स्थिति में शून्य आकार लेता है, और जब शून्य भी अस्तित्वहीन हो जाए तो वहां शिव का प्राकट्य होता है। शिव यानी शून्य से परे। जब कोई व्यक्ति भौतिक जीवन को त्याग कर सच्चे मन से मनन करे तो शिव की प्राप्ति होती है। उन्हीं एकाकार और अलौकिक शिव देवों के देव महादेव का प्रिय महीना सावन का है। हिंदू धर्म में सावन मास का विशेष महत्व है। सावन में भगवान शिव की अराधना की जाती है। सावन के सभी सोमवार का अपना महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार पांचवा महीना सावन कहलाता है। इस दौरान कुल 4 सोमवार पड़ेंगे। मान्यता है कि सावन मास में भोलेनाथ की अराधना करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। कुंवारी कन्याएं इस दौरान सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए सावन में पूजा-अर्चना करती हैं। सावन का महीना और चारों और हरियाली। भारतीय वातावरण में इससे अच्छा कोई और मौसम नहीं बताया गया है। जुलाई में आने वाले इस मौसम में, ना बहुत अधिक गर्मी होती है और ना ही बहुत ज्यादा सर्दी। वातावरण को अगर एक बार को भूला भी दिया जाए, किन्तु अपने आध्यात्मिक पहलू के कारण सावन के महीने का हिन्दू धर्म में विशेष महत्त्व बताया गया है। सावन का महीना पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित रहता है। इस माह में विधि पूर्वक शिवजी की आराधना करने से, मनुष्य को शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। इस माह में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष महत्त्व है। इसलिए इस माह में खासतौर पर सोमवार के दिन रुद्राभिषेक करने से शिव भगवान की कृपा प्राप्त की जा सकती है। अभिषेक कराने के बाद बेलपत्र, शमीपत्र, कुशा तथा दूब आदि से शिवजी को प्रसन्न करते हैं और अंत में भांग, धतूरा तथा श्रीफल भोलेनाथ को भोग के रूप में समर्पित किया जाता है। सावन में 5 सोमवार व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। ऐसी मान्यता है कि इस माह में किए गए सोमवार के व्रत का फल बहुत जल्दी मिलता है।

शिव को मिली थी जल से शीतलता: जब शिव विष को धारण कर रहे थे उस समय माता पार्वती ने उनके गले को दबाए रखा, जिससे विष का प्रभाव केवल गले में हुआ और शेष शरीर इसके प्रभाव से अछूता रहा। विष के प्रभाव से महादेव का कंठ नीला हो गया। इसलिए उनको नीलकंठ कहा जाता है। विष के प्रभाव से महादेव को असहनीय गर्मी को सहन करना पड़ा। कैलाशपति को विष की गर्मी से छुटकारा दिलवाने के लिए इंद्र ने वर्षा करवाई थी। शिव ने सावन के महीने में विषपान किया था। इसलिए इस महीने उत्तम वृष्टि के योग बनते हैं और शिव की गर्मी को शांत करने के लिए भक्त शिवलिंग पर शीतल जल चढ़ाते हैं।

पूजा-विधि: सावन महीने में सुबह जल्दी उठकर नहाएं और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद ऊं नम: शिवाय मंत्र बोलते हुए गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। शिवलिंग पर जल-दूध चढ़ाएं। फिर फूल, बिल्वपत्र, धतूरा और अन्य चीजें चढ़ाकर आरती करें। इसके बाद नैवेद्य लगाएं। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का ही भोग लगाया जाता है। पूजा-आरती के बाद शिव मंत्र का जाप भी करना चाहिए।

सावन मास का महत्व: सावन मास भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि इन दिनों में भक्तिभाव से शिव आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब कालकूट नाम का जहर निकला तो देव और दानव दोनों उससे भयभीत हो गए और कोई भी उसको लेने के लिए तैयार नहीं था। इसके साथ इस विष से चारों और हाहाकार मच गया था। दसों दिशाएं इस विष से जलने लगी थी। देव, दानव, ऋषि-मुनि सभी इसकी गरमी से जलने लगे। इसलिए सभी महादेव के पास गए और उनसे इस सृष्टि को बचाने की प्रार्थना की। भोलेनाथ विष को ग्रहण करने के लिए तैयार हो गए।

घर में छोटा सा ही शिवलिंग रखना चाहिए: देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां घर में नहीं रखनी चाहिए, लेकिन शिवलिंग रख सकते हैं, क्योंकि शिवलिंग को निराकार स्वरूप माना गया है। इस कारण इसे खंडित नहीं माना जाता है। टूटा शिवलिंग भी पूजनीय होता है। ध्यान रखें घर में ज्यादा बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। घर में छोटा शिवलिंग रखना शुभ रहता है। हमारे अंगूठे के पहले पोर से बड़े आकार का शिवलिंग घर में रखने से बचना चाहिए। शिवजी के साथ ही गणेशजी, माता पार्वती, नंदी की भी

मूर्तियां जरूर रखें। पूजा की शुरुआत गणेश पूजन से करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार सावन माह में भक्तों को बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि कई लोग इस सब्जी को अशुद्ध मानते हैं। इसके अलावा इस दौरान व्रत रखने वाले लोगों को दूध का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इसके पीछे धार्मिक मान्यता ये है कि दूध से भोले बाबा का अभिषेक किया जाता है इसलिए इसका सेवन वर्जित है। इस महीने में भक्तों को मास-मदिरा तथा प्याज-लहसुन के सेवन से भी परहेज करना चाहिए।

सावन सोमवार से प्रसन्न हो जाते हैं शिव भगवान: सावन महीने के प्रत्येक सोमवार को शिव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन व्रत रखने और भगवान शिव के ध्यान से विशेष लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यह व्रत भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए किये जाते हैं। व्रत में भगवान शिव का पूजन करके एक समय ही भोजन किया जाता है। साथ ही साथ गले में गौरी-शंकर रूद्राक्ष धारण करना भी शुभ रहता है। भोले बाबा सभी देवो में सबसे सरल और भोले माने गए हैं। इन्हें हिंदू धर्म में बड़ी श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। माना जाता है कि सावन में शिव जी का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर और कुवारें लड़कों को मनचाही वधु की प्राप्ति होती है। यदि आपने भी भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिये सावन सोमवार का व्रत रखा है तो बताए गए शुभ मुहूर्त में जल चढ़ाएं पूरा श्रावण मास जप,तप और ध्यान के लिए उत्तम होता है, लेकिन इसमें सोमवार का विशेष महत्व है। सोमवार का दिन चन्द्र ग्रह का दिन होता है और चन्द्रमा के नियंत्रक भगवान शिव हैं। अत: इस दिन पूजा करने से न केवल चन्द्रमा बल्कि भगवान शिव की कृपा भी मिल जाती है। कोई भी व्यक्ति जिसको स्वास्थ्य की समस्या हो, विवाह की मुश्किल हो या दरिद्रता छाई हो।अगर सावन के हर सोमवार को विधि पूर्वक भगवान शिव की आराधना करता है तो तमाम समस्याओं से मुक्ति पा जाता है। सोमवार और शिव जी के सम्बन्ध के कारण ही मां पार्वती ने सोलह सोमवार का उपवास रखा था। सावन का सोमवार विवाह और संतान की समस्याओं के लिए अचूक माना जाता है। भगवान शिव की पूजा के लिए और खास तौर से वैवाहिक जीवन के लिए सोमवार की पूजा की जाती है। अगर कुंडली में विवाह का योग न हो या विवाह होने में अडचने आ रही हों तो संकल्प लेकर सावन के सोमवार का व्रत किया जाना चाहिए।

नियम अनुसार जलाभिषेक करने से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं महादेव, करते हैं हर मनोकामना पूरी

सावन का महीना हिंदुओं के लिए कितना महत्व रखता है, इस बात का अंदाजा सोमवार को मंदिरों में लगने वाली भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है। देवों के देव महादेव को खुश करने के लिए लोग उनके प्रिय महीने में व्रत रखते हैं, खासकर सोमवार के दिन, क्योंकि ये दिन भी शिव जी को बहुत प्रिय है। सावन के सोमवार पर व्रत रखने से भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कहा जाता है भोलेनाथ अपने भक्तों की सारी परेशानियां दूर कर देते हैं। यहीं वजह है कि लोग सावन के सोमवार के व्रत रखना नहीं भूलते हैं। हालाँकि, महादेव को खुश करने के लिए सिर्फ व्रत रखना काफी नहीं है। व्रत रखने वाले भक्तों को सोमवार के दिन मंदिर जाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक भी करना होता है तभी महादेव खुश होते हैं। शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के कुछ नियम हैं, जिनका पालन व्रत रखने वाले भक्तों को करना आवश्यक है। अगर इन नियमों का पालन किए बिना शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है तो महादेव रुष्ट हो सकते हैं। **कैसे करें जलाभिषेक ?** शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए एक साफलोटे या कलश में जल लें और इसमें गंगाजल या फिर कच्चा दूध मिलाएं। फिर शिवलिंग के पूर्व या उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण की ओर मुख करके बैठ जाएं। फिर लोटे या कलश को दोनों हाथों से पकड़ें और धीरे-धीरे एक पतली धार बनाते हुए शिवलिंग पर जल अर्पित करना शुरू करें। इस दौरान ध्यान रखें कि जल को तेज गति से न चढ़ाए। जलाभिषेक करने के दौरान भगवान शिव के पंचाक्षर मंत्र घ् नाम शिवाय का जाप करते रहें। **जलाभिषेक के बाद क्या करें ?** जलाभिषेक करने के बाद शिव जी को प्रणाम करें और फिर शिवलिंग पर बेलपत्र, सफेद चंदन, अक्षत, शहद, फूल, धूप, दीप, गंध आदि चढ़ाए। फिर शिव चालीसा का पाठ करें और महादेव की आरती उतारें। शिवलिंग की आधी परिक्रमा करें और अंत में अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए महादेव से प्रार्थना करें।

M:. 8668733135 CLR COOL LIFE REFRIGERATION M:. 7668610523
COOL LIFE REFRIGERATION
SERVICE & REPAIR CENTER
Deep Fridge, Window A.C., Split A.C.
Water Cooler, Water Dispenser,
Washing Machine etc.
Near Anjuman Palace, Gali Ahata Auliya ji Masjid, Moti Mahal, Muzaffarnagar

फ्लेक्स प्रिंटिंग
विनाईल प्रिंटिंग
वॉलपेपर प्रिंटिंग
आउटडोर प्रिंटिंग
इनडोर प्रिंटिंग
ग्लोसाईन बोर्ड
शादी कार्ड्स
फारमर आर्टस्
7017069792
farmerarts8@gmail.com
छतरी वाला कुआं जोशीवाडा, देवबन्द

पं0 शिवदत्त शर्मा होम्योपैथिक क्लीनिक
Reg. No.-H030857 (HMB, Lucknow) Reg. No.-4687 (CCH, New Delhi)
डा. डी. के. भारद्वाज
होम्योपैथिक फिजिशियन एवं कन्सलटेन्ट
बी0एस0सी0, बी0एच0एम0एस0 (पंजाब)
भूतपूर्व सीनियर रेजीडेन्ट होम्यो0 हॉस्पिटल (पंजाब)
M. 9917036806
My youtube Chennel : Dr. D.K. Bhardwaj Homoeopathy
online treatment : pssmhomoeopathy@gmail.com
हलवाई हट्टा, डा0 डी0के0 जैन के पुराने क्लीनिक वाली गली में देवबन्द जिला-सहारनपुर

ओ३म्
9760556341
9719966953
8445543053
संस्थापक
स्वामी शान्तनु जी महाराज
कुलपति एवं प्राचार्य
प्रबुद्ध गुरुकुल सिद्धकुटी (कुटी रोड़)
कृष्णवाटिका, देबवृन्द, जिला- सहारनपुर (उ.प्र.)-247554

R. K. Sharma 9837958574
Gaurav Sharma 9756987665 8439412627
SHANKAR DAIRY AND DAIRY PRODUCTS
Dairy Manufacturer Wholesaler And Retailer
Malkhan Singh Chowk, Shankar Dairy Shankar Lemon, Deoband

भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद
भारतीय जनता पार्टी
देवबन्द-जिला सहारनपुर
विजय त्यागी
(ब्लाक प्रमुख देवबन्द)
9897643971
पता- ग्राम व पो० घलौली-वि० ख० देवबन्द जिला - सहारनपुर (247554)

Bharti Tanejas
Dr. Anima Mishra PhD
+91-9871314307
+91-9773868564
ALPS ACADEMY INDIRAPURAM
Your carrier our pride...
Plot No-1032, First Floor, Niti Khand-I, Opp- Orange County, Indirapuram, Gzb (U.P.)

9258643803
7906221244
E-mail : ravisharmaadv.in@gmail.com
Ravi Sharma Advocate
S/o Mukesh Sharma
INCOME TAX, GST & COMPANY REGISTRATION
LABOUR REGISTRATION & SOCIETY REGISTRATION
हमारे यहाँ बैनामा (विक्रय-पत्र), इकरारनामा, वसीयतनामा, दान-पत्र (हिबैनामा) लीज-डीड (किरायानामा) आदि दस्तावेज लिखवाने हेतु सम्पर्क करें।
Office : 2, Jeetgiri Mandir, Ravidas Marg Deoband Distt-Saharanpur (U.P.)

Ankit Jain 8394900000
Marriage Parties
Pre Wedding Parties
Birthday Parties
Corporate Meetings
Anniversary
School Functions
Silver Paradise Farms
A place that builds relations
Muzaffarnagar Road, DEOBAND (SRE)

अमित गोयल M: 9837244123
साडी शोरूम
अमीर सिंह क्लाथ स्टोर
अमीर सिंह एण्ड कम्पनी
हमारे यहां होलसेल रेट पर फैंसी साड़ी, सूट, लहंगा-चुनरी उपलब्ध है
निकट ठाकुरद्वारा, मेन बाजार, देवबन्द (सहारनपुर)

प्रो. शिवकुमार (फूल वाले) ॐ नमः शिवाय 9634919066
शिव फ्लावर एण्ड बैलून डेकोरेटर
हमारे यहाँ वरमाला, गाड़ी, बैड, स्टेज, मंडप आदि सभी प्रकार की डेकोरेशन की जाती है
पताः मौ. गुज्जरवाड़ा, पिलर नं0 34, जी.टी. रोड, देवबन्द (सहारनपुर)

Kuldeep Rathi
Director
C-121, Sahni Tower, Sector-5, Sahibabad Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005
9818566088, 7011752611
kuldeep@krsmanpower.com
KRS MANPOWER SOLUTIONS PVT LTD

Mukul Garg 9897215627
Sanyam Garg 9634560345
Shree Balaji Mobile Gellery
NOKIA Connecting People, micromax, VIVO, SAMSUNG mobile, OPPO, INTEX, MI, LAVA
Add. Court Gate, Sadar Baza, MuzaffarNagar

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा ने सर्व धर्म शक्ति हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र को एन.एस. प्रेस 432 लद्दावाला मुजफ्फरनगर से छपवाकर मुख्य कार्यालय 99 रामलीला टीला गली नं0 4, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक : ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा
प्रबंध सम्पादक : आदेश शर्मा उर्फ आचार्य सूर्यांश
सह सम्पादक : प्रवीण त्यागी (एनसीआर-दिल्ली)
उत्तरांचल कार्यालय : कुंवर प्रणव सिंह रंग महल लंढौरा रियासत, रूड़की, हरिद्वार (उत्तरांचल)।
फोन :- 7668376851, 9759551311

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर की जाए विधिक कार्यवाही:जिलाधिकारी

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में स्कूली वाहनों की फिटनेस, स्कूल वाहन चालकों के लाइसेंस एवं चरित्र सत्यापन, 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों द्वारा दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के चलाने पर प्रतिबंध, रोड सेफ्टी क्लब के गठन, विद्यालयों में अनाधिकृत बसों के संचालन, स्कूल संचालकों द्वारा संचालित वाहनों को अनुबंध न किए जाने, आवश्यकतानुसार साइनेज लगाने के साथ ही सड़क मार्गों पर दुर्घटनाओं को न्यून करने के लिए सड़क सुरक्षा के मानकों के तहत सभी प्रकार के आवश्यक कदम उठाए जाने के सबंध में विचार-विमर्श किया गया। डीएम ने कहा कि समय-समय पर सड़क सुरक्षा अभियान के साथ अनाधिकृत विद्यालयी वाहनों के संचालन के विरुद्ध अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं फिर भी देखने मे आ रहा है कि अनाधिकृत विद्यालयी वाहनों का संचालन अनवरत जारी है। उन्होंने परमिट प्राप्त ऐसे विद्यालयी वाहनों, जिनके पंजीकरण, फिटनेस, बीमा की वैधता अवधि समाप्त हो गई है और फिर भी संचालन किया जा रहा है। ऐसे विद्यालयी वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर वाहन स्वामियों, विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों के साथ बैठक कर अनाधिकृत रुप से विद्यालयी वाहनों का संचालन न किये जाने के सबंध में जागरूक करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों प्राविधानों के तहत नोटिस निर्गत करते हुए कार्यवाही की जाए। डीएम ने कहा कि बच्चों के जीवन से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने एआरटीओ को निर्देशित किया कि पांच अगस्त तक नियमानुसार वैध वाहनों का संचालन सुनिश्चित कराया जाए। सड़क सुरक्षा के बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा के मानकों के तहत निर्धारित कार्यों को पूरा कराया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जनपद में दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्रों में ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर संकेतक लगाएं और ब्लैक स्पॉट को दूर करने के कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विधिक कार्यवाही की जाए। हाईवे एवं सड़क किनारे स्थापित विद्यालयों के बाहर यातायात संबंधी संकेतक लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिए गए की सभी स्कूल अपने स्तर पर विद्यालय यान समिति का गठन कर लें जिस हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल नामित करते हुए यह निर्देश दिए गए कि उपरोक्त कार्यवाही एक सप्ताह के अंदर कर ली जाए। पांच सबसे ज्यादा वाहन वाले विद्यालयों के चालकों के स्वास्थ्य जांच हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कैम्प लगाने हेतु निर्देशित किया गया। नाबालिग छात्रों द्वारा वाहन चलाने को लेकर जिलाधिकारी द्वारा कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए एवं अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वह अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने दें। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में सड़क दुर्घटनाओं, मृतकों व घायलों की संख्या में कमी लाए जाने हेतु जागरूकता अभियान चलाकर लोगो को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किये जाने हेतु निर्देश दिये गये हैं। नगर निगम सीमा में ट्रैफिक प्लान बनाकर अनफिट एवं निष्प्रयोज्य वाहनों को चिन्हित कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये। हाईवे पर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर सघन कार्यवाही की जाये। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान, डीएफओ श्वेता सैन, पुलिस अधीक्षक यातायात सिद्धार्थ वर्मा, एआरटीओ एमपी सिंह, अधिशासी अभियंता लोनिवि धर्मेंद्र सिंह, शिक्षा, विद्युत, स्वास्थ्य, नगर निगम, पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि से यमुनोत्री मंदिर परिसर को भारी नुकसान : आसपास के क्षेत्रों को खाली कराया

उत्तरकाशी। भारी बारिश ने जनपद में काफी तबाही मचाई है। यमुनोत्री-जानकीचट्टी में नदी उफान पर आ गई, जिसे देखते हुए एसडीआरएफ ने आसपास के क्षेत्र को खाली कराया। यमुनोत्री क्षेत्र में अधिक बारिश होने के कारण जल स्तर काफी बढ़ गया है जिसके चलते जानकीचट्टी पार्किंग में नदी का पानी आने से कुछ दोपहिया वाहन भी बह गए। एसडीआरएफ की टीम मौके पर तैनात है। दूसरी तरफ गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भटवाड़ी से आगे स्थान थिरांग के पास पहाड़ी से मलबा पत्थर आने से बाधित हो गया है। मलबे में एक मोटर साइकिल भी दब गई। हालांकि साइकिल चालक सकुशल है। उत्तराखंड में भारी बारिश आफत बनकर बरस रही है। यमुना नदी के उदगम में अतिवृष्टि के कारण यमुनोत्री धाम में मंदिर परिसर को भारी नुकसान हुआ है। रक्षित है। राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। बीआरओ द्वारा हेल्गुगाड से जेसीबी भेजी गई है। मंदिर समिति के कार्यालय, रसोई आदि को भी नुकसान उक्त जानकारी देते हुए पुरोहित महासभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि जनहानि नहीं लेकिन परिसंपित्तयों को नुक्सान पहुंचा है। बताया कि यमुना नदी के मुहाने पर एकत्रित मलवा बोल्डर पत्थरों की वजह से मंदिर परिसर को अधिक नुकसान हुआ है। जानकीचट्टी यमुनोत्री पैदल मार्ग पर राममंदिर के निकट रजिस्ट्रेशन केंद्र भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके अलावा यमुनोत्री हाईवे ओजरी डाबरकोट बंद होने से बड़कोट से सरकारी अमला अभी यमुनोत्री धाम नहीं पहुंच पाया।

पृष्ठ एक का शेष

से प्रतिदिन लाखों कांवड़ियां श्रद्धालु गंगाजल लेकर शिवालयों की ओर आ रहे हैं। मुजफ्फरनगर टर्निंग प्वाइंट होने के कारण इस जिले में इनकी सर्वाधिक भीड़ रहती है, क्योंकि यहां शिवचौक मंदिर की परिक्रमा करते हुए शिवभक्त हरियाणा राज्य के विभिन्न जनपदों के साथ ही राजस्थान और दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, हापुड़ लिए भी निकलते हैं। जनपद में कांवड़ यात्रा का पूरा रूट लगभग 240 किलोमीटर का है। ड्रोन से भी हो रही निगरानी, आरआरएफ, आरएएफ और पीएसी भी तैनात: 22 जुलाई से शुरू हुई कांवड़ यात्रा अब अपने चरम की ओर पहुंचने लगी है। शहर में भी कांवड़ियों की भीड़ एक तेज प्रवाह के रूप में बढ़ रही है, इसको लेकर पुलिस पहले से ही अलर्ट मोड पर है, लेकिन लगातार हो रही मारपीट और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद से इंटेलिजेंस की टीम को अलर्ट कर दिया गया है। शुक्रवार देर रात इंटेलिजेंस की कई टीमों ने डाग स्क्वाड के साथ उत्तराखंड की सीमा से लेकर शामली, बिजनौर और मेरठ की सीमा तक सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसके साथ ही ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि कांवड़ यात्रा को निर्विघ्न व सकुशल सम्पन्न कराने तथा सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने के लिये मुजफ्फरनगर पुलिस पूर्ण रूप से कटिबद्ध है। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी आतंकवादी घटना की रोकथाम के लिए एटीएस स्पॉट कमांडो टीम का जनपद मुजफ्फरनगर आगमन हो गया है जो शिव चौक पर तैनात रहेगी। शिव चौक पवित्र स्थल है जहां पर हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से आये कांवडिये परिक्रमा करके जाते हैं। सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद मुजफ्फरनगर पुलिस के अतिरिक्त 01 कम्पनी रेपिड एक्शन फोर्स, 06 कम्पनी पीएसी व फ्लड यूनिट तैनात हैं। साथ ही एन्टी सेबोटाज टीम व बोम्ब डिटेक्शन एण्ड डिस्पोजल स्कवाड द्वारा निरंतर जनपद के विभिन्न स्थानों पर चौकिंग की जा रही है। शनिवार को एसएसपी अभिषेक सिंह द्वारा एटीएस स्पॉट कमांडो टीम को शिव चौक पर ब्रीफ करते हुए किसी भी आतंकवादी हमले से निपटने के लिए शिव चौक व आस-पास के स्थानों की सुरक्षा को उनके सुपुर्द किया गया।

पृष्ठ चार का शेष

अन्य तहसील क्षेत्रों में बादल लगे हैं। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात हेतु सुचारू बताया जा रहा है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सुनगर के पास लगातार पत्थर आने के कारण मार्ग बाधित है। बीआरओ के द्वारा उक्त स्थान पर जेसीबी मशीन तैनात है। पत्थर रुकने पर मार्ग यातायात हेतु सुचारु किया जाएगा। लम्बगांव मोटर मार्ग आयंरखाल के पास मलबा व पत्थर आने के कारण मार्ग बाधित होने की सूचना है। द्वितीय केदार को जाने वाला मद्महेश्वर ट्रैक पर मार्कण्डेय नदी पर बना अस्थाई पुल गत रात्रि तेज बारिश के बाद बह गया, जिससे इस ट्रैक पर 106 से तीर्थयात्री, पर्यटक व स्थानीय लोग फंस गए, जिन्हें प्रशासन ने हेली से सुरक्षित रेस्क्यू कर निकाला गया। गत वर्ष भी यहां पर स्थाई पुल बह जाने से 200 से अधिक तीर्थयात्री फंस गए थे, जिन्हें प्रशासन ने सकुशल निकाला था। इसमें उत्तर प्रदेश के 54 लोग, दिल्ली के 16, चार यात्री आंध्र प्रदेश, एक तेलंगाना, तीन गुजरात के श्रद्धालु हैं। वहीं अन्य स्थानीय एवं उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से आए पर्यटन व तीर्थयात्री इसमें शामिल थे। रेस्क्यू अभियान में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, तहसीलदार ऊखीमठ प्रदीप नेगी, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, लोनिवि एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा यात्रियों का सफल रेस्क्यू किया गया। शुक्रवार को त्रिवेणी घाट ऋषिकेश में गंगा का जल स्तर 339.62 मीटर तक पहुंचा, जो कि खतरे के निशान से महज 88 मीटर नीचे रहा। जल स्तर बढ़ने के कारण सुबह से गंगा घाटों पर पुलिस ने मुनादी शुरू की। तटीय क्षेत्रों में दिनभर तैराक पुलिस भी तैनात रही। शुक्रवार सुबह गंगा का जल स्तर 338.99 मीटर (समुद्र तल से)दर्ज किया जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए दोपहर दो बजे के बाद चेतावनी रेखा को पार कर दिया। दोपहर 3:00 बजे तक 339:50 मीटर तक पहुंच गया, जबकि खतरे के निशान (340.50 मीटर) से महज 88 मीटर कम था। इस दौरान गंगा का जल स्तर आरती पांडाल से ऊपर पहुंच गया। सुबह से ही जल स्तर बढ़ने की सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी व एसडीआरएफ के जवान गंगा घाटों पर तैनात रहे। सुबह से पुलिसकर्मियों ने मुनादी कर लोगों को सतर्क किया। ऋषिकेश कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह खोलिया ने कहा कि सुबह से आपदा प्रबंधन कार्यालय से सूचना मिली थी कि टिहरी डैम व श्रीनगर डैम से पानी छोड़ा गया है, जिसके कारण दोपहर तक ऋषिकेश में गंगा का जल स्तर बढ़ने की संभावना है। गंगा घाटों व तटीय आबादी वाले क्षेत्र चंद्रेश्वर नगर, मायाकुंड में लोगों को गंगा नदी के खतरे के बारे में सतर्क किया गया। पर्वतीय जिलों में हो रही वर्षा से शुक्रवार शाम गंगा उफान पर आ गई। जलस्तर चेतावनी स्तर 293 मीटर को पार गया। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया। कंट्रोल मैसेज मिलने के बाद पुलिस ने कांवड़ यात्रियों को सतर्क किया। शुक्रवार शाम भीमगोड़ा बैराज पर गंगा का जलस्तर चेतावनी स्तर 293 मीटर को पार कर 293.30 मीटर पर पहुंच गया। इस पर पुलिस प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया। बाढ़ राहत चौकियों को अलर्ट किया गया। लोगों से गंगा के तटवर्ती इलाकों में न जाने को आगाह किया गया। पुलिस कर्मियों की ओर से गंगा में नहा रहे कांवड़ यात्रियों को अलर्ट किया गया।

कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कारगिल युद्ध भारत पर थोपा गया था। छद्म रुप से पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ करके भारत पर युद्ध थोपने का कार्य किया था। किन्तु युद्ध का परिणाम क्या होगा यह हमारे बहादुर जवानों ने तय किया। उस समय हमारी सेना के वीर जवानों के सामने विपरीत परिस्थितियां थीं, लेकिन हमारे बहादुर जवानों के सामने कोई दुश्मन टिक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सेंट्रल कमांड, कैंट के सूर्या सभागार में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित श्रजत जयंती समारोहश् को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिन वीर नारियों और परिवारों ने कारगिल युद्ध में अपने परिवार के सदस्यों को खोया है, आज उन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर भारत की पहचान जबरन एकाधिकार करने वाले देश की नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्रचिंता प्रवृत्तते यह भारत की परंपरा है। उन्होंने कहा कि बल, बुद्धि और विद्या में भारत जब दुनिया के अंदर जब सिरमौर था, तब भी हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। परंतु किसी आक्रांता ने यहां आकर हमारी शांति और हमारी सद्भावना के हनन का दुस्साहस किया तो भारत माता के बहादुर जवानों ने मातृभूमि के रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सीएम योगी ने कहा कि देश की सीमा की रक्षा करने वाले बहादुर जवानों के साथ राज्य सरकार हमेशा खड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि हमारा जवान किसी भी युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होता है, तो राज्य सरकार की ओर उसके परिवार को आज 50 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। साथ ही उस परिवार के एक सदस्य की नौकरी भी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके अलावा 2017 से हमारी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शहीद होने वाले जवान की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए जिस गांव, नगर, कस्बे का वह जवान होगा, वहां पर एक भव्य स्मारक, इंस्टिट्यूट या किसी मार्ग का नामकरण उस जवान के नाम पर करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को इसलिए ही आगे बढ़ा पा रहे हैं क्योंकि आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडेय के पिता, राइफलमैन सुनील जंग की माता, नायक आबिद खान की माता, नायक रामकेश चंद्र यादव की पत्नी, नायक राजेंद्र यादव की पत्नी, लांस नायक अशोक कुमार यादव के बेटे, ब्रिगेडियर अखिल कुमार सिन्हा, कर्नल प्रभात रंजन, कर्नल ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कौशिक, कर्नल क्षितिज श्रीवास्तव, नायक जितेंद्र सिंह और सिपाही विनोद कुमार दुबे को सम्मानित किया। इससे पहले सीएम योगी सेंट्रल कमांड, कैंट में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अमर जवानों को पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। साथ सीएम योगी ने कारगिल युद्ध के दौरान भारत के वीर जवानों के शौर्य को प्रदर्शित करती हुई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रदेशवासियों को बधाई दी और भारतीय सेना के पराक्रमी योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने लिखा भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य शौर्य, अद्वितीय पराक्रम एवं अप्रतिम साहस के प्रतीक कारगिल विजय दिवस की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! मां भारती के सम्मान और संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर जवानों को नमन! भारतीय सेना की कर्तव्यनिष्ठा व त्याग की भावना पर हमें गर्व है। जय हिंद!

चिकित्सक से धमकी भरे पत्र देकर रंगदारी मांगने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

नकुड़/सहारनपुर। थाना नकुड़ पुलिस द्वारा चिकित्सक को धमकी भरे पत्र भेजकर रंगदारी (फिरौती) मांगने व पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करने वाला एक अभियुक्त व अभियुक्त की निशादेही पर घटना में शामिल एक अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सागर जैन ने प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि थाना नकुड़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर चौकिंग के दौरान जब प्रकाश में आये अभियुक्त गोपाल पुत्र जय सिंह निवासी ग्राम बीराखेड़ी थाना गंगोह, जिला सहारनपुर को नकुड़-अम्बेहटा रोड़ पर स्थित पैट्रोल के पास से गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया तो अभियुक्त ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुए घेर घोटकर अभियुक्त गोपाल को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से एक तमंचा 12 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस 12 बोर, एक मोबाइल फोन नारजो कम्पनी व एक लिखा हुआ कागज (धमकी लिखा हुआ) बरामद हुआ है। अभियुक्त गोपाल की निशांदेही पर घटना में शामिल अभियुक्ता कु0 रीतु पुत्री रामस्वरूप निवासी ग्राम मौहल्ला बंजारान कस्बा व थाना नकुड़, जनपद सहारनपुर को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त गोपाल ने बताया कि उसे नकुड़ में मकान बनाने के लिए प्लाट खरीदना था जिसके लिए उसे पैसों की सख्त जरूरत थी। उसने बताया कि जिस अस्पताल में वह लगभग पांच साल पहले अपनी पत्नी के साथ नौकरी करता था। उसी अस्पताल में उसकी साली रितु भी काम करती थी जिसे दो माह पहले अस्पताल से निकाल दिया था। जिस कारण वह मन ही मन डॉक्टर मीनाक्षी सैनी से जलन रखने लगी थी। रितु ने यह बात बताई थी। तभी से डॉक्टर को बर्बाद करने और पैसा न देने पर मार देने की ठान ली थी। इसी उद्देश्य से अपनी साली के साथ षड्यंत्र रचकर प्लान बनाया था। प्लान के अनुसार गत 19 जुलाई 2024 को नकुड़ डाकघर से सोनावती अस्पताल की डॉ. मीनाक्षी सैनी को एक धमकी भरी चिट्ठी पोस्ट की थी जिसमें दस लाख रूपये की मांग की थी। पैसे कब कहां और किस टाईम देने है यह अगली चिट्ठी में बताने के लिए कहा और चेतावनी दी थी कि अगर कोई भी होशियारी की तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। पैसे देने के लिए राजी हो जाने आज रात एक बजे

अकेले आने के लिए कहा। चिट्ठी में छः जगह बताई थी इनमें से किसी एक जगह पर एक पत्री में कागज रखा मिलेगा जिसे पढ़कर डॉ. मीनाक्षी सैनी को फोलो करना था। आज उन छः जगहों में से एक जगह पर पेपर रखने जा रहा था कि पुलिस वालों ने देख लिया। पुलिस से बचने के लिए उन पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया, दूसरा फायर करने वाला था कि पुलिस ने पकड़ लिया। अभियुक्त रितु ने पूछने पर बताया कि दो माह पहले उसे अस्पताल से निकाल दिया था जिस वजह से वह डॉ. मीनाक्षी सैनी से जलन रखने लगी थी। जीजा गोपाल ने बताया कि उन्हें रुपयों की जरूरत थी इसलिए मैंने अपने जीजा से कहा कि डॉ. मीनाक्षी के घर पर लाखों रुपये रखे हुए हैं वह बहुत पैसे वाली है। इस पर दोनों ने मिलकर षड़यंत्र रचकर रंगदारी करने का एक प्लान बनाया था। पुलिस ने दोनों ने जेल भेज दिया है।

जलमग्न हुई कोटेश्वर महादेव गुफा, मसूरी में गिरा पुश्ता, थत्यूड़ बिजली घर में घुसा मलबा

देहरादून। उत्तराखंड में इन दिनों आसमान से आफत बरस रही है। जिसके कारण प्रदेश में आपदा जैसे हालात हैं। ये हालात ऐसे समय पर हैं जब राज्य में चारधाम और कांवड़ यात्रा चल रही है। जिसके कारण पुलिस प्रशासन की परेशानियां और भी ज्यादा बढ़ गई हैं। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। जिसके चलते कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी की गई है। शनिवार को टिहरी जिले से नुकसान की खबरें आई। यहां बालगंगा नदी विकराल हो कर आगे बढ़ रही है। इसके अलावा रुद्रप्रयाग जिले में भी बारिश, लैंडस्लाइड के कारण नुकसान की खबरें सामने आई हैं। अब तक बारिश के कारण 3 बॉर्डर और 2 नेशनल हाइवे के साथ ही 205 सड़के बंद हैं। पूरे प्रदेश में इस वक्त 205 सड़के बंद हैं। जिसमें से लोक निर्माण विभाग की 130 सड़कें, राष्ट्रीय राजमार्ग 2 और पीएमजीएसवाई की 73 सड़के मौजूद हैं। मानसून सीजन से हुए नुकसान की बात की जाये तो अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। 16 लोग घायल हो चुके हैं। संपत्तियों के नुकसान की बात की जाए तो अब तक कुल मिलाकर 648 घरों को नुकसान हुआ है। जिसमें से 10 घर पूरी तरह से खत्म हो चुके हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में भी काफी नुकसान हुआ है। 15 जून से अब तक 39 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई है। इसके अलावा चार धाम यात्रा में अब तक 173 लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बारिश के चलते टिहरी जनपद के जौनपुर विकास खण्ड मुख्यालय थत्यूड़ में 33 केवी विद्युत सब स्टेशन में चट्टानी मलवा आने से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। जिससे जौनपुर के कई गांवों में विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई। मलबा सड़क पर आ जाने के कारण थत्यूड़ देहरादून चम्बा मसुरी मोटर मार्ग भी बन्द हो गया। बारिश के कारण रुद्रप्रयाग में प्रसिद्ध कोटेश्वर महादेव की गुफा भी जलमग्न हो गई है। यहां स्वयं मां अलकनंदा भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर रही है। दूर-दराज से भक्त कोटेश्वर भगवान की गुफा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं, लेकिन गुफा के जलमग्न होने से भक्त गुफा में नहीं जा रहे हैं। मान्यता है कि गौत्र हत्या से मुक्ति को लेकर पांडव जब स्वर्गारोहिणी की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने इस गुफा में कुछ समय तक विश्राम किया। साथ ही साथ भगवान शंकर की आराधना की, लेकिन भगवान ने उन्हें यहां भी दर्शन नहीं दिए।

अत्यधिक गर्मी को प्राकृतिक आपदाओं की सूची में शामिल करने के अनुरोध को फाइनेंस पैनल ने किया खारिज

नई दिल्ली। पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि 15वें वित्त आयोग ने अधिसूचित सूची में अधिक आपदाओं को शामिल करने पर विचार किया, लेकिन आपदाओं के दायरे का विस्तार करने में योग्यता नहीं पाई, और इसलिए अत्यधिक गर्मी को प्राकृतिक आपदा या आपदा नहीं माना जाएगा, यहां तक घ्क्कि हीटवेव से संबंधित मौतों के बावजूद वित्तीय सहायता की आवश्यकता नहीं होगी। थे। सिंह ने कहा कि चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट हमले, और ठंढ और ठंडी लहरें उन आपदाओं की सूची में हैं जिनके लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष और राज्य आपदा प्रतिक्रिया के तहत सहायता की आवश्यकता है। सिंह ने कांग्रेस विधायक सुखदेव भगत के सवाल के जवाब में कहा कि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में देखा था कि एसडीआरएमएफ और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया शमन कोष (एनडीआरएमएफ) से वित्त पोषण के लिए पात्र अधिसूचित आपदाओं की सूची काफी हद तक राज्य की जरूरतों को पूरा करती है और इस प्रकार बहुत कुछ नहीं मिला। इसके दायरे का विस्तार करने के अनुरोध में योग्यता है। भगत ने 2013 से हीटवेव के कारण होने वाली मौतों का राज्यवार विवरण मांगा और ऐसी गंभीर घटनाओं में वृद्धि से निपटने के लिए उठाए गए या प्रस्तावित कदम उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार ने लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की योजना बनाई है। सिंह ने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय संदर्भ में आपदा मानी जाने वाली प्राकृतिक घटनाओं के पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए कुछ शर्तों और मानदंडों को पूरा करने के अधीन वार्षिक एसडीआरएफफंड आवंटन का 10 प्रतिशत तक उपयोग कर सकती है, भले ही वे केंद्रीय स्तर पर न हों। इस गर्मी में असामान्य रूप से तेज गर्मी वाले दिन और गर्म रातें थीं। इस पृष्ठभूमि में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हीटवेव मैपिंग पर सवाल बने हुए हैं क्योंकि इसने इस वर्ष और पिछले वर्ष के लिए मृत्यु डेटा जारी नहीं किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि 2018 में 890, 2019 में 1274, 2020 में 530, 2021 में 374 और 2022 में 730 लोगों की लू से संबंधित मौतें हुईं।

मोदी की चेतावनी से भड़के पाकिस्तान ने हमला करने के लिए भेज दी अपनी बॉर्डर एक्शन टीम, भारतीय सेना ने दिया जवाब

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारगिल विजय दिवस पर दिये गये भाषण से पाकिस्तान भड़क गया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि दुश्मन के नापाक मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जायेगा। जवाब में पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों को 'बयानबाजी' करार देते हुए खारिज कर दिया और कहा कि इससे कश्मीरी लोगों को दबाने के भारत के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय ध्यान नहीं हटा सकता। यही नहीं, मोदी के भाषण से पाकिस्तान कितना भड़का हुआ है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी सख्त चेतावनी के ठीक अगले ही दिन पाकिस्तान की 'बॉर्डर एक्शन टीम' (बीएटी) ने भारतीय क्षेत्र में हमले का प्रयास किया। हालांकि भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कमकारी सेक्टर में इस हमले को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस दौरान छिड़ी मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया और एक कैप्टन सहित चार अन्य सैन्यकर्मी घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया भी मारा गया। हम आपको बता दें कि 'बैट' में आम तौर पर पाकिस्तानी सेना के विशेष बल के जवान और आतंकवादी शामिल होते हैं। बताया जा रहा है कि घंटों चली भीषण गोलीबारी के बीच दो घुसपैठिये पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भाग गए। रिपोर्टों के मुताबिक तीन घुसपैठियों के समूह ने उत्तर कश्मीर जिले के त्रेहगाम सेक्टर में कुमकडी चौकी के पास अग्रिम चौकी पर ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की। भारतीय सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से एक ने बाद में दम तोड़ दिया। एक कैप्टन समेत चार घायल सैन्यकर्मियों को बेस अस्पताल ले जाया गया है। घायल सैनिकों में से एक की हालत ''गंभीर'' है।

इस बीच, खबर है कि मोदी सरकार ने ओडिशा से 2,000 से अधिक कर्मियों वाली सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की दो बटालियन को भारत-पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद प्रभावित जम्मू क्षेत्र में तैनात करने का आदेश दिया है,

ताकि वहां सुरक्षा बढ़ाई जा सके। बताया जा रहा है कि जम्मू क्षेत्र में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर दोनों इकाइयों को नक्सल विरोधी अभियान ग्रिड से तत्काल जम्मू स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया। सुरक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की इन दोनों इकाइयों को जम्मू क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पहले से अग्रिम पंक्ति पर तैनात इसकी इकाइयों के पीछे रक्षा की ''दूसरी पंक्ति'' के रूप में तैनात किया जाएगा, ताकि सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ और अंदरूनी इलाकों में इन तत्वों द्वारा किए जाने वाले हमलों को रोका जा सके। इन दोनों इकाइयों के जवानों को सांबा और जम्मू-पंजाब सीमा के पास तैनात किया जाएगा। हम आपको बता दें कि बीएसएफ भारत के पश्चिमी भाग में जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से लगी 2,289 किलोमीटर से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है। जम्मू क्षेत्र में इस सीमा का 485 किलोमीटर हिस्सा है, जो घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र के पास करीब एक दर्जन बीएसएफ बटालियन तैनात हैं। राजौरी, पुंछ, रियासी, उधमपुर, कठुआ और डोडा जिलों में इस वर्ष हुए आतंकवादी हमलों के बाद जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इन हमलों में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक ग्राम रक्षा गार्ड सदस्य सहित 22 लोग मारे गए हैं। पिछले महीने कठुआ और डोडा जिलों में दो मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए थे। जम्मू-कश्मीर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''अगले कुछ महीनों और वर्षों में ''दूसरी पंक्ति'' की सुरक्षा तैनाती के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करना होगा और तब तक दो नयी इकाइयां जम्मू अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात रहेंगी।

नदियों में उफान से हरिद्वार-ऋषिकेश में अलर्ट, बदरी-केदारनाथ हाईवे बंद, यात्री फंसे

देहरादून। गुरुवार देर रात से पहाड़ों पर रुक-रुक कर हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा नदी का जल स्तर खतरे के निशान के करीब है। भारी बारिश के अलर्ट के बीच शनिवार को भी देहरादून, पिथौरागढ़ व बागेश्वर में स्कूल बंद किए गए हैं। वहीं चमोली जिले में दो वाहन पहाड़ी से गिरे मलबे में दब गए हैं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। देहरादून और बागेश्वर जिले के कुछ इलाकों में शनिवार को तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिले में कहीं-कहीं कई दौर की तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। चमोली में रात्रि से हो रही बारिश शनिवार सुबह थम गई। बदरीनाथ हाईवे गुलबकोटी में बंद पड़ा है। मार्ग खोलने का काम जारी है। जोशीमठ-नीति-मलारी हाईवे तमक नाला के पास मलबा आने के कारण यातायात हेतु अवरुद्ध हो गया है। सोनप्रयाग से गौरीकुंड की ओर लगभग एक किलोमीटर आगे सटल सेवा पुल के समीप हाईवे अवरुद्ध हो गया है, जिससे केदारनाथ जाने वाले यात्री बड़ी संख्या में रुके हुए हैं। सोनप्रयाग में 1000 से अधिक यात्री रुके हैं, जबकि गौरीकुंड की तरफभी यात्री सुरक्षित स्थानों पर रोक गए हैं। गंगोत्री में भागीरथी का जलस्तर बढ़ गया है। गंगोत्री में भागीरथी नदी का उफान घाटों के ऊपर तक पहुंच रहा है। गंगोत्री में आरती स्थल भागीरथ शिला से तक भागीरथी का जलस्तर पहुंच रहा है। तीर्थ पुरोहितों दान पत्र और अन्य सामान हटा दिया है। बता दें कि शुक्रवार को यमुनोत्री धाम में यमुना नदी उफान पर आ गई थी और तबाही ला दी थी। मसूरी चकराता एनएच 707ए कैम्पटी फाल से आगे सैंजी ढांग में तथा जीवन आश्रम के समीप पूरी रात बंद रहा। शनिवार सुबह जेसीबी ने मलबा हटाकर मार्ग खुलवाया। एनएच 507, दिल्ली यमुनोत्री एनएच मसूरी बैंड के समीप अभी भी बंद है, दो जेसीबी मलबा हटाने में लगी हैं। मसूरी देहरादून मुख्य मार्ग खुला है। रास्ता बंद होने के कारण एक नवजात को समय पर उपचार नहीं मिला और उसकी मौत हो गई। सीएचसी साहिया में नवजात ने जन्म लिया। अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ न होने के कारण चिकित्सकों ने किसी बाल रोग को दिखाने के लिए कहा। बारिश हो रही थी, आपातकालीन सेवा 108 भी नहीं मिल पायी। लिहाजा बच्चे का पिता बच्चा व जच्चा को विकासनगर ले जाने के लिए चल दिया। कालसी चकराता मोटर मार्ग पर जजरेड़ पहाड़ी के पास भारी भूस्खलन होने से यातायात बंद था। समय पर उपचार न मिलने की वजह से बच्चे की मौत हो गयी। भूस्खलन के कारण मलबा आने से जौनसार बावर व पछवादून के 19 मोटर मार्ग बंद हो गए। जिसमें दिल्ली यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल है, जो लखवाड़ बैंड के पास दूसरे दिन फिर से बंद हो गया। बंद मार्गों में एनएन देहरादून खंड का एक, लोनिवि साहिया के सात, पीएमजीएसवाई के सात, लोनिवि चकराता के तीन, लोनिवि प्रांतीय खंड का एक मोटर मार्ग शामिल हैं। मौसम विभाग की ओर से शनिवार को भी देहरादून जनपद में आकाशीय बिजली चमकने और भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए जिलाधिकारी सोनिका ने पहली से 12वीं तक के समस्त विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर शनिवार को अवकाश घोषित किया है। शासकीय, अशासकीय और निजी विद्यालयों को जारी आदेश का पालन करेना होगा। भारी वर्षा के चलते शुक्रवार को भी देहरादून के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया था। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से रुद्रप्रयाग जनपद में बहने वाली अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां अपने रौद्र रूप में बह रही हैं। उत्तरकाशी में मुख्यालय, चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में हल्की वर्षा हो रही है। जनपद के

.....शेष पृष्ठ तीन पर

उत्तर प्रदेश के मानसून सत्र पर निगाहें, 29 जुलाई को योगी और अखिलेश की सियासी परीक्षा

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में जबर्दस्त हलचल मची हुई है। बीजेपी में अंदरूनी गुटबाजी ने खासी सुर्खियाँ बटोरी हैं और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। बीजेपी के सहयोगी दल भी अब मुखर हो गए हैं, अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने लगे हैं। इस बीच, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 37 सांसदों के साथ लखनऊ को छोड़कर दिल्ली का रुख किया है। इस बदलती स्थिति ने 29 जुलाई को यूपी की राजनीति में महत्वपूर्ण मोड़ दे दिया है। 29 जुलाई को उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा और इसी दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अखिलेश यादव ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधानसभा में नए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव भी इसी दिन होना है। सीएम योगी आदित्यनाथ के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उन्हें पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी को सुलझाते हुए सहयोगी दलों का विश्वास भी प्राप्त करना होगा। सपा ने लोकसभा चुनाव में 80 में से 37 सीटें जीतकर अपनी ताकत का परिचय दिया है, जिससे उनके आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। इस विजय के बाद सपा अब विधानसभा में भी आक्रामक रुख अपनाने की योजना बना रही है। कांग्रेस का समर्थन भी उनकी स्थिति को मजबूत करता है। विपक्षी दलों के मुद्दों का सामना करना बीजेपी के लिए कठिन हो सकता है, खासकर जब मुद्दे बिजली कटौती, कांवड़ यात्रा के मार्ग पर नेम प्लेट विवाद और ओबीसी आरक्षण जैसे प्रमुख विषयों पर हो। बीजेपी और उसके सहयोगी दल भी इस समय कशमकश में हैं। लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी नेताओं के बीच खींचतान जारी है, जिसमें केशव प्रसाद मौर्य और सीएम योगी के बीच मतभेद की चर्चा है। सहयोगी दल भी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए मोर्चा खोल चुके हैं। यह सीएम योगी की जिम्मेदारी बनती है कि वह इन मुद्दों का समाधान करें और पार्टी तथा सहयोगी दलों के बीच सियासी रिश्ते सुधारें। लोकसभा चुनाव के बाद, अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल और निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने भी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। ओम प्रकाश राजभर और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने भी सरकार की नीतियों की आलोचना की है। इन सवालों का समाधान करना और सहयोगी दलों की नाराजगी को दूर करना सीएम योगी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

उधर, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कार्यकाल 29 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इसी दिन विधानसभा सत्र की शुरुआत भी होगी, और नए राज्यपाल की नियुक्ति या कार्यकाल का विस्तार इसी दिन से पहले पूरा करना होगा। यूपी के इतिहास में किसी भी राज्यपाल को लगातार दो कार्यकाल नहीं मिले हैं, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि आनंदीबेन पटेल को केंद्र की मोदी सरकार विस्तार देती है या नया राज्यपाल नियुक्त करती है। अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से जीतने के बाद विधायकी पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधानसभा में नए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव होना है। शिवपाल सिंह यादव, इंद्रजीत सरोज और रामअचल राजभर जैसे नाम इस पद के लिए सामने आ रहे हैं। सपा ने लोकसभा चुनाव में पीडीए फॉर्मूला अपनाया था, और माना जा रहा है कि नए नेता प्रतिपक्ष को किसी दलित या गैर-यादव ओबीसी से चुना जा सकता है। 29 जुलाई का दिन उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो प्रदेश की राजनीतिक दिशा और संभावनाओं को आकार देगा।

नेम प्लेट विवादः जारी रहेगा सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश, सोमवार को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ राज्य सरकारों के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश को जारी रखा है, जिसमें कहा गया था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों को ऐसी दुकानों के बाहर मालिकों के नाम प्रदर्शित करने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि भोजनालयों को मालिक या कर्मचारी के नाम प्रदर्शित करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा, कोई भी स्वेच्छा से ऐसा कर सकता है। जानकारी के मुताबिक इस मामले में सोमवार को अगली सुनवाई होगी। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने की अनिवार्यता का हवाला देते हुए, कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान मालिकों को अपना नाम प्रदर्शित करने की आवश्यकता वाले अपने निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं का कड़ा विरोध किया है। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी दलील में बताया कि यह निर्देश हिंदू तीर्थयात्रा के दौरान शांति बनाए रखने के लिए लागू किया गया था। यह निर्देश कांवरियों की शिकायतों के बाद लागू किया गया था, जिन्होंने दुकानों और भोजनालयों के नाम के कारण भ्रम की स्थिति बताई थी। पुलिस अधिकारियों ने इन चिंताओं को दूर करने और तीर्थयात्रियों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्देश के कार्यान्वयन को अस्थायी रूप से रोक दिया था, जिसमें कहा गया था कि हालांकि खाद्य विक्रेता अपने द्वारा परोसे जाने वाले भोजन के प्रकार प्रदर्शित कर सकते हैं, लेकिन उन्हें अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि मांसाहारी वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध को छोड़कर, खाद्य विक्रेताओं पर कोई प्रतिबंध नहीं है। दुकान मालिकों के नाम प्रदर्शित करने की आवश्यकता का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और तीर्थयात्रियों के बीच भ्रम से बचना है।

RASTOGI SWEETS
देवबन्द, सहारनपुर (उ.प्र.)।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

शामली। मुख्य विकास अधिकारी, शामली श्री विनय कुमार तिवारी द्वारा आज जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने जिला चिकित्सालय में व्यवस्थाओं को देखते हुए चिकित्सकों, कमर्चारियों से चिकित्सालय में आने वाले मरीजो के विशेष देखभाल एवं परामर्श देने हेतु जानकारी प्राप्त की गयी एवं सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी ने जिला चिकित्सालय में स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया गया। जहां पर 03 अतिकुपोषित बच्चों को भर्ती पाया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बच्चों के अभिभावकों से खानपान एवं उपचार के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए पोषण पुनर्वास में बच्चों के उपचार सम्बन्धी जानकारी चिकित्सको से प्राप्त की गयी एवं एन0आर0सी0 की रसोई का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय एन0आर0सी0 में खान पान सम्बन्धी व्यवस्थाएं उचित पायी गयी। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला कायर्क्रम अधिकारी बाबर खान को अधिक से अधिक गम्भीर अतिकुपोषित बच्चों को एन0आर0सी0 में भर्ती कराने हेतु निदेर्शित किया गया। इस दौरान जिला कायर्क्रम अधिकारी बाबर खान द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया गया कि आंगनबाड़ी कायर्कत्रियों द्वारा अतिकुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए नियमित रूप से उनकी चिकित्सा जांच, वजन, लम्बाई एवं खान-पान के बारे में अभिभावकों को विशेष रूप से जागरूक किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप अतिकुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु बल देते हुए सुधार किया जा रहा है। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, एसीएमओ आदि मौजूद रहें।

बोल-बम के जयकारों से गूंजने लगी शामली नगरी, बडी संख्या में जयकारे लगाते शामली से गुजरे शिवभक्त कांवड़िए

शामली। हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर आने वाले शिवभक्त कांवडियों की संख्या भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। गुरुवार को बडी संख्या में कांवड़िए जयकारे लगाते हुए शामली से होकर निकले। कांवड़ियों का जगह-जगह स्वागत किया गया। कांवड़ियों ने सेवा शिविरों में विश्राम कर भोजन किया तथा थोडी देर बाद गंतव्य की ओर रवाना हो गए। जानकारी के अनुसार इन दिनों कांवड यात्रा को लेकर शामली नगरी शिवमय नजर आने लगी है। हरिद्वार से आने वाले कांवडियों का शहर में पहुंचकर विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया जा रहा है वहीं उनके विश्राम व खाने पीने के लिए कांवड सेवा शिविर संचालित किए जा रहे है। गुरुवार को भी सैंकडों कांवड़िए जयकारे लगाते हुए अपने गतंव्य की ओर जाते दिखे। शहर के शिव चौंक को भी सुंदर एवं आकर्षक ढंग से सजाया गया है। कांवड़िए भगवान शिव के मंदिर की परिक्रमा कर अपने गंतव्यों की ओर रवाना हो रहे हैं। पूरे कांवड यात्रा मार्ग पर प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त की गयी है। जगह जगह पुलिसकर्मियों की भी तैनाती गयी है। वहीं सामाजिक, धार्मिक व व्यापारिक संगठनों द्वारा कांवड सेवा शिविर संचालित किए जा रहे हैं जिनमें भोजन, विश्राम, खाने पीने, दूध, चाय, चिकित्सा आदि की सभी सुविधाएं दी जा रही है। कांवड सेवा शिविरों में रात के समय भगवान भोलेनाथ के भजनों पर भी कांवड़िए जमकर डांस कर रहे हैं। शिव के जयकारों से शामली शहर भी गुंजायमान हो रहा है। दूसरी ओर शहर के अंदर कांवडियों के लिए अलग मार्ग की व्यवस्था की गयी है। मुख्य मार्ग पर रस्सियां लगा दी गयी है, यह मार्ग केवल कांवडियों के लिए रखा गया है, इसमें किसी भी तरह के वाहन का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। वहीं कांवडियों के मार्ग में स्थित दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने की भी कडी हिदायत दी गयी है।

मो0-7451877000
गर्ग घी भण्डार
296, सरवट गेट आबकारी रोड, मुजफ्फरनगर (उ0प्र0)

Mobile : 9811021565
AJAY K. AGARWAL
ADVOCATE SUPREME COURT
Off : 4, Firozshah Road Near Janpath
New Delhi-110001 Telefax : 23317927
E-mail : advocate_ajay@yahoo.co.in
Resi : 220, Kailash Hills, East of Kailash
New Delhi 110065
Tel : 26391886, 51622118, 26321498

Suresh Bhatia
Deepak Bhatia
BHATIA SALT INDUSTRIES
18-A, New Mandi, Muzaffarnagar
Ph.: (0131) (0) 2608955,2604355
(R) 2608355,3205527
M: 9837008303,9837008304
9927700000 Fax: 2603696
Branch Office:
107-A, L.I.G. Flat, Motia Khan
Pahar Ganj, Delhi-55
Ph. (011) 23548110
M: 09810298202

Shehbaz khan 9997441487
Fahad Khan 9997441482
Khan Ply Traders
All kind Glasses, Ply, Miror, Flush, Door Etc.
Job Work on Glass
321, Abkari Road, Muzaffarnagar

bindals
Sushil Agarwal
Director
Tehri
PULP & PAPER LIMITED
WORKS
9th Km Stone, Bhopa Road, Muzaffarnagar - 251001.
0131-2468383, 2468384, 2468385 Fax : 2468386
E-mail : tehripaper@rediffmail.com

शाहबुद्दीनपुर रोड पर दिनदहाड़े हुई डकैती का खुलासा : 4 गिरफ्तार, 5 फरार

मुजफ्फरनगर। थाना कोतवाली नगर पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा करीब 12 दिन पूर्व शाहबुद्दीनपुर रोड स्थित नूर ज्वैलर्स के यहां दिनदहाड़े हुई डकैती की वारदात में शामिल शातिर लुटेरे बदमाशों को एक एनकाउंटर के बाद दबोच लिया। इस दौरान दो शातिर बदमाशों के पैर में पुलिस की गोलियां धंस गई और इससे उनकी चाल बिगड़ गई। जबकि उनके दो साथियों को जंगल से गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही दिन निकलने के बाद पुलिस इन बदमाशों के पूरे गिरोह को दबोचने के लिए टूट पड़ी 41 पुलिसकर्मियों की टीम ने इन चार बदमाशों के साथ ही तीन महिलाओं सहित चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया, जबकि एक महिला सहित पांच आरोपी अभी फरार बताये गये हैं। वारदात के बाद इन बदमाशों ने सात हिस्सों में माल बांटा और अपने परिजनों व रिश्तेदारों तक भी जेवर पहुंचाये गये थे। एक बदमाश की साली, जोकि फखरूल हसन की पडौसन थी, ने ही रेकी कर जानकारी दी थी। पुलिस ने बदमाशों से करीब 60 लाख रुपये कीमत के सोने और चांदी के जेवरात बरामद किये हैं। रिजर्व पुलिस लाइन में शनिवार को प्रेस वार्ता के दौरान एसएसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि 15 जुलाई की सुबह थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के शाहबुद्दीनपुर रोड पर नूर ज्वैलर्स नाम से दुकान तथा आभूषण बनाने की छोटी फैक्ट्री चलाने वाले फखरूल हसन ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके यहां कु छ बदमाशों ने डकैती डाली है। बताया गया था कि प्रात: 10.30 बजे एक व्यक्ति बुर्का पहन के आभूषण देखने के लिए दुकान में दाखिल हुआ तथा मौका देखकर तमंचा निकाल लिया, इसी दौरान बुर्का पहने व्यक्ति के साथ 04 अन्य लोग भी दुकान में दाखिल हुए तथा दुकान में मौजूद लोगों को बंधक बनाते हुए दुकान व फैक्ट्री से सोने व चांदी के आभूषण को लूटने की घटना कारित की गयी थी। इस दौरान बदमाशों ने फखरूल हसन को बाथरूम में बंद कर दिया था और उनके परिजनों को भी बंधक बना लिया था। लाखों रुपये के जेवरात लूटकर वो फरार हो गये थे। तीन टीमों का गठन कर खुलासे में लगाया गया था। उन्होंने बताया कि 26 जुलाई की रात्रि में मुखबिर द्वारा थाना कोतवाली नगर पुलिस व एसओजी टीम को सूचना दी गयी कि शाहबुद्दीनपुर रोड पर नूर ज्वैलर्स दुकान में डकैती डालने वाले बदमाश आभूषणों को बेचने के इरादे से पीनना तिराहे के पास खडेघ् हैं। इस पर पुलिस ने दो टीमों में बंटकर बदमाशों की घेराबंदी की। बदमाशों द्वारा खुद को पुलिस टीम से घिरा देखकर जान से मारने की नीयत से फायर किये तथा भागने का प्रयास किया। पुलिस टीमों द्वारा बदमाशों द्वारा की गयी फायरिंग से खुद को बचाते हुए पीछा करते हुए फायरिंग की गयी जिसमें 02 बदमाश मुजक्किर उर्फमोनू पुत्र नवाब निवासी दक्षिणी मण्डी चन्धेडी रोड कस्बा व थाना बुढाना और विशु पुत्र राकेश निवासी सफीपुर पट्टी कस्बा व थाना बुढ़ाना पुलिस की गोलियां लगने से घायल हुए। जबकि उनके साथी शाहरुख पुत्र रफीक निवासी मौहल्ला जन्नताबाद जानसठ और प्रिंस पुत्र मनोज निवासी ग्राम मांडी थाना तितावी को मौके से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद शनिवार को दिन निकलने के साथ ही पुलिस इस गिरोह के दूसरे बदमाशों और इसमें शामिल रहे अन्य लोगों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी तो और भी सनसनीखेज खुलासा सामने आया। पुलिस ने इसमें शामिल फुरकान पुत्र स्व. इकबाल निवासी ग्राम बसी थाना शाहपुर, मूनीजा पत्नी नवाब पठान वइसरत पत्नी इमरान निवासी दक्षिणी मण्डी चंधेडी रोड बुढाना और रजिया पत्नी नईम खान निवासी गली नम्बर 4, रहमत नगर थाना खालापार को भी गिरफ्तार कर लिया। निशादेही पर पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 4.300 किलोग्राम सफेद धातु यचांदीद्ध के आभूषण और लगभग 855 ग्राम पीली धातु यसोनेद्ध के आभूषण के साथ ही दो बाइक और अवैध असलाह बरामद किया गया है। बरामद हुए जेवरातों की बाजारी कीमत करीब 60 लाख मानी जा रही है। एसएसपी ने बताया कि इनके पांच साथी बदमाश हर्षित उर्फ माइकल पुत्र सुधीर निवासी मांडी थाना तितावी, शाहरुख उर्फ पठान पुत्र इकबाल और सोनू उर्फअफसर पुत्र अफजल, मुदस्सिर पुत्र नवाब पठान और शहजादी पत्नी सोनू उर्फ अफसर निवासीगण दक्षिणी मण्डी चन्धेडी रोड थाना बुढाना फरार हो गये। इनकी तलाश में टीम लगाई गई हैं। बताया कि ये महिलाएं मुठभेड़ में मुजक्किर आदि के पकड़े जाने की सूचना पर अपने पुरुषों के साथ शनिवार को हिस्से में मिले आभूषणों को बेचने के लिए जा रही थी। इसी बीच पुलिस ने दबोच लिया। एसएसपी के अनुसार मुजक्किर उर्फ मोनू द्वारा बताया गया कि उसकी व शाहरुख उर्फपठान की बुढाना में दूध की डेयरी है। पैसों की जरुरत होने के कारण हमने लूट के बारे में योजना बनायी तथा इस बात को सोनू उर्फअफसर (शाहरुख उर्फपठान का भाई है) से साझा किया। सोनू उर्फअफसर द्वारा बताया गया कि उसकी ससुराल के पास एक सुनार की दुकान है, जहां कम लोग आते जाते हैं तथा रास्ता सुनसान रहता है, यदि यहा पर लूट की जाए तो अच्छा माल मिल सकता है। 04 अन्य लोगों (विशू, हर्षित उर्फ माइकल, शाहरुख, प्रिन्स) को लूट की योजना में शामिल किया। 11.07.2024 को पहली बार लूट का प्रयास किया परन्तु भीड अधिक होने के कारण हमने लूट की योजना को स्थगित कर दिया। सुनार की दुकान में सोनू उर्फ अफसर बुर्का पहन कर व शाहरुख उर्फपठान ग्राहक बनकर दाखिल हुए तथा कानों के टॉप्स दिखाने के बहाने अलमारी को खुलवाया। रजिया पत्नी नईम द्वारा बताया गया कि वह सोनू उर्फ अफसर की साली है तथा उसका घर सर्राफ की दुकान के पास में था तथा मैंने कई बार ग्राहक बन कर दुकान की रेकी की थी, सोनू उर्फअफसर द्वारा डकैती में मिला अपने हिस्से में से कुछ मुझे दे दिया था। इस वारदात के खुलासे में एसओजी, सर्विलांस सैल के साथ ही शहर कोतवाली और खालापार कोतवाली से 41 पुलिसकर्मियों की भागीदारी रही।